भारत सरकार

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

रसायन और पेट्रोरसायन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-738

दिनांक 01 मार्च, 2016 को उत्तर दिए जाने के लिए

.....

ईरान में पेट्रोरसायन परिसर

738. श्री प्रहलाद सिंह पटेल :

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य पी-5 देशों द्वारा स्वीकृत प्रतिबंध की समाप्ति के मद्देनजर ईरान में पेट्रोरसायन परिसर स्थापित करने पर विचार कर रही है;

(ख) क्या सरकार ने भारतीय कंपनियों से ईरान में पेट्रोरसायन कारोबार आरंभ करने के लिए कहा है; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार के प्रस्तावों को स्वीकार करने वाली कंपनियों की संख्या कितनी है ?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हंसराज गंगाराम अहिर)

(क) : रसायन और पेट्रोरसायन विभाग ने संसाधन समृद्ध और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण देशों में रसायन और पेट्रोरसायन मध्यवर्तियों के लिए उत्पादन सुविधाएं स्थापित करने का एक प्रस्ताव प्रस्तुत करने की पहल की है । एक भारतीय प्रतिनिधि मंडल, जिसमें उद्योगों के सदस्य भी शामिल थे, ने फरवरी, 2015 में ईरान का दौरा किया था, जिसमें चाबहार स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र में विशेष आर्थिक जोन (एसईजेड) स्थापित करने के लिए ईरान के प्राधिकारियों और कंपनियों के साथ प्रारंभिक विचार-विमर्श किया गया था । ईरानी पक्षकार चाबहार स्वतंत्र व्यापार जोन (एफटीजेड) में भारत सरकार के कवच के अंतर्गत भारतीय विशेष पर्पज व्हीकल (एसपीवी) को भारतीय पीएसयू/निजी कंपनियों द्वारा निवेश को सुकर बनाने के उद्देश्य से पर्याप्त भूमि आवंटित करने के लिए सहमत था ।

(ख) तथा (ग) : रसायन और पेट्रोरसायन विभाग ने रसायन और पेट्रोरसायन क्षेत्र में उद्योग संघों और प्रमुख कंपनियों के साथ परामर्श किया था । अनेक कंपनियों ने ईरान में रसायन और पेट्रोरसायन मध्यवर्तियों के लिए उत्पादन सुविधाएं स्थापित करने में रूचि दिखाई है ।

***